

सत्संग शिक्षण परीक्षा

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद - ३८०००४.

सत्संग प्रवेश-१

रविवार, १३ जुलाई, २००८

समय : सुबह ९.०० से ११.१५

कुल गुण : ७५

वर्गखंड में उपस्थित परीक्षार्थी स्वयं ही अपना विवरणयुक्त स्टीकर लगाएँ। बिना स्टीकर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं रहेगी।



इस कोष्ठक में
प्रवेश-१ (हिन्दी)
का स्टीकर लगाएँ।

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर स्टीकर लगाने का नहीं है।

परीक्षार्थी के विवरणयुक्त स्टीकर पर बारकोड अंकित किया गया है। कृपया उस पर किसी प्रकार का नुकसान मत किजिए।

निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है

परीक्षार्थी की उम्र

परीक्षार्थी का अभ्यास

परीक्षार्थी द्वारा लगाएँ गए स्टीकर तथा उपरोक्त विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरीक्षक हस्ताक्षर करें।

वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर

परीक्षक के हस्ताक्षर

.....

पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें।

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (९)	
	२ (६)	
	३ (५)	
	४ (५)	
	५ (४)	
	६ (५)	

विभाग-१, कुल गुण

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	७ (९)	
	८ (४)	
	९ (५)	
	१० (४)	
	११ (५)	
	१२ (४)	

विभाग-२, कुल गुण

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१३ (१०)	

विभाग-३, कुल गुण

मोडरेशन विभाग भाटे ५

गुण शब्दोंमां

चेकर - नाम

विभाग - १ : नीलकंठ चरित्र

प्र. १ निम्नलिखित विधान कौन, किसको और कब कहता है यह लिखिए । (कुल गुण : ९)

१. “मैं कहीं नहीं गया हूँ । तुम जब भी मेरा स्मरण करोगे, मैं शीघ्र उपस्थित रहूँगा ।”

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

गुण : ३

२. “अभी रहट के द्वारा पानी निकाला जाएगा । तब पी लेना ।”

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

गुण : ३

३. “क्या नीलकंठ दत्तात्रेय, ऋषभदेव और रामचन्द्र की तरह ही महान हैं ?”

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक



केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. २ निम्नलिखित विधानों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ६)

१. नीलकंठ लोज में रहने के लिए तैयार हुए ।

.....

.....

.....

.....

गुण : २

२. जमादार को आश्चर्य हुआ ।

.....

.....

.....

.....

गुण : २

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक





केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ५)

१. नीलकंठ ने कब गृहत्याग किया ?

गुण : १

२. अष्टांगयोग के आठ अंगों के नाम लिखिए ।

गुण : १

३. नीलकंठ ने हाथ में जल की अंजलि लेकर क्या संकल्प किया ?

गुण : १

४. नीलकंठ और रामानंद स्वामी का प्रथम मिलन कहाँ और कब हुआ ?

गुण : १

५. कठारी तोड़कर नीलकंठ ने मोहनदास को क्या उपदेश दिया ?

गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक





केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ५ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । (कुल गुण : ४)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. वनविचरण के दौरान नीलकंठ वर्णों ने किस किस का उद्धार किया ?

गुण : २

(१) जांबुवान

(२) सेवकराम

(३) नौ लाख योगी

(४) जीअर स्वामी

२. लोज में नीलकंठ क्या क्या सेवा करते थे ?

गुण : २

(१) गोबर उठाना - झाड़ू लगाना ।

(२) गायें चराना ।

(३) काँवर उठाकर भिक्षा माँगना ।

(४) कुएँ से पानी खींचकर साधुओं को स्नान कराना ।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक





केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ६ निम्नलिखित विधानों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए । (कुल गुण : ५)

१. तीर्थ में नीलकंठ ने भाजी तोड़ने से मना किया ।

गुण : १

२. नीलकंठ ने हिमालय से का मार्ग पूछा ।

गुण : १

३. नीलकंठ ने तपस्वियों को भगवान के रूप में दर्शन दिए ।

गुण : १

४. गुजरात में पहुँचते ही शहर में नीलकंठ को तीन दिन के उपवास हुए ।

गुण : १

५. नीलकंठ ने के मठ की लाखों रुपये के आयवाले मठ के महंतपद का त्याग किया ।

गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक





केवल इन्हीं गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

विभाग - २ : सत्संग वाचनमाला भाग - १

प्र. ७ निम्नलिखित विधान कौन, किसको और कब कहता है यह लिखिए । (कुल गुण : ९)

१. "आज वे संसार में सत्संग के माध्यम से प्रकटरूप में विचरण कर रहे हैं ।"

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

.....

गुण : ३

२. "बेटी ! तुम किसकी भक्ति कर रही हो ?"

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

.....

गुण : ३

३. "मैं कल धाम में जानेवाला हूँ, मेरे लिए पालकी तैयार रखना ।"

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

.....

गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक





केवल इन्हीं गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ८ निम्नलिखित विधानों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ४)

१. शुकमुनि ने बिना स्नान किये सुखडी खा ली ।

.....

.....

.....

.....

गुण : २

२. जीवुबा कड़ी धूप में नंगे पैर चल निकलीं ।

.....

.....

.....

प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ४)

१. देवानन्द स्वामी के कीर्तन सुनकर कौन उनके शिष्य बने थे ?

गुण : १

२. सत्संग में किसका जीवन रन्तिदेव जैसा था ?

गुण : १

३. शास्त्रीजी महाराज को किसने वर्तमान निवेदित किए ?

गुण : १

४. ब्रह्मानन्द स्वामी ने महाराज के लिए कौनसा औषध तैयार किया ?

गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक   केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ११ निम्नलिखित वाक्यों में से विषय के अनुरूप केवल पाँच सही वाक्य ढूँढ़कर सिर्फ उसके नंबर लिखें । (कुल गुण : ५)

विषय : जोबन पगी

१. जोबनपगी को श्रीजीमहाराज ने सर्वप्रथम वर्णी ब्रह्मचारी के रूप में दर्शन दिये थे । २. 'धर्म मेरे पिता हैं, धर्म का थोड़ा सा भी अनादर करनेवाला व्यक्ति मेरा शत्रु है' । ३. जोबनपगी ने महाराज को बारह दरवाजे के झुले में झुलाया । ४. स्वामिनारायण ने मुझ जैसे गधे को गाय बना दिया । ५. महाराज जब गुजरात पधारते तब जोबन और उसके भाई उनके अंगरक्षक बनकर उनकी सेवा करते थे । ६. डभाण यज्ञ में जोबन पगी का परिवर्तन हुआ । ७. जोबनपगी और उनके तीनों भाइयों में बहुत मेल नहीं था । ८. जोबन ने महाराज से कहा, 'आज हमारी खोडियार माता के मन्दिर पधारे । ९. जोबन की भक्ति से आधीन होकर महाराज ने अन्नकूट का उत्सव वरताल में मनाया । १०. महाराज की प्रसादी की भस्म खतम होते ही जोबन के प्राण निकल गये ।

केवल नंबर -

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक   केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र.१२ निम्नलिखित वाक्यों में से सही और गलत वाक्य बताकर गलत वाक्यों को सुधारकर फिर से लिखिए । (कुल गुण : ४)

१. डभाण के विप्र जगन्नाथ को दीक्षा देकर श्रीजीमहाराज ने उनका नाम 'शुकानन्द' रखा ।

गुण : १

२. जेठाभाई सत्संग होने से पहले प्रत्येक पूर्णिमा को रणछोडराय के दर्शन के लिए डाकोर जाते थे ।

गुण : १

३. देवानन्द स्वामी के कीर्तन सम्प्रदाय में 'चाबखा' के नाम से प्रसिद्ध हैं ।

गुण : १

